Total Pages—3 **PG/IIIS/HIN-301/14**

M.A. 3rd Semester Examination, 2014

HINDI

PAPER—HIN-301

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर लिखिए : 12 x 2

(क) " 'गोदान' के समस्याएँ आज भी जिन्दा हैं" — टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिए।

(*Turn Over*)

(*ग*) आँचलिक उपन्यास की विशेषताओं के आधार पर 'मैला आँचल' की समीक्षा कीजिए ।

(*घ*) "'रेहन पर रग्घू' बदलते यथार्थ की कहानी है ।" — विवेचन कीजिए ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(*क*) वृक्षों में फल लगते हैं, उन्हें जनता खाती है, खेती में अनाज होता है, वह संसार के काम आता है, गाय मे थन में दूध होता है, वह खुद पीने नहीं जाती, मेघों से वर्षा होती है, उससे पृथ्वी तृप्त होती है । ऐसी संगति में कुत्सित स्वार्थ के लिए कहाँ स्थान ?

(*ख*) बन्धन ही सौन्दर्य है, आत्मदान ही सुरुचि है, बाधाएँ ही माधुर्य हैं । नहीं तो यह जीवन व्यर्थ का बोझ हो जाता । वास्तविकताएँ नग्न रूप में प्रकट होकर कुत्सित बन जाती हैं ।

(*ग*) पशु से भी सीधे हैं ये इंसान । पशु से भी ज्यादा खूँखार हैं ये ।... पेट ! यही इनकी बड़ी कमजोरी है । मौजूदा सामाजिक न्याय-विधान ने इन्हें अपने सैकड़ों बाजुओं में जकड़ कर ऐसा लाचार कर रखा है कि ये चूँ तक नहीं कर सकते ।

(घ) मैंने भी जिन्दगी में कोशिश तो बहुत की । दिन-रात मेहनत की । तड़के खेतों में काम किया । दिन में रस्सियाँ बनायीं । शाम को घास खोदकर बेचा । रात को कहीं मजदूरी का काम मिल गया तो नींद खराब करके वह भी कर लिया । लेकिन पक्का मकान का अरमान पूरा न हो सका ।